

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II) PART II—Section 3—Sub-Section (ii) प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 186 No. 186] नई दिल्ली, श्कार, मार्च 30, 1990/जैस 9, 1912

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 30, 1990/CHAITRA 9, 1912

इस भाग में भिन्त पुष्ठ संख्या की जाती ही जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जासक

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कल्याण मंत्रालय

ग्रधिम्चनः

नई दिल्की, 30 मार्च, 1990

का.ब्रा. 274(ब्र). -केन्द्रंय मरकार, भारत गरकार के तत्कालीन विधि, त्याय श्रीर कम्पती कार्य मंत्रालय (निधार्य) विभाग) को अधिमूचना म. का था. 247, तारीख 30 दिसम्बर, 1975 जो भारत के राजपन्न, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii), तारीख 17 जनवरी, 1976 में प्रकाणित की गई था, के साथ पठिन वनफ अधिनियम, 1954 (1954 का 29), (जिसे इसमें इसके पर्यनान् उन्त अधिनियम कहा गया है) की भारत 6.4 की उपधारत (3) द्वारत अवस्त माधितमें। का प्रयोग करते हुए, एंजाब वक्फ बोर्ड के अतिरिटन रहने को प्रवधि को, जो मः त सरकार के तत्कालाद विधि, न्याय ग्रीर कस्पती कार्य मंत्रालय (विधायी विभाग) की श्रीधमुचना सं. का.श्रा. 796(ग्रा), ताराख 11 नवम्बर, 1981, स. का.श्रा. 68(ग्र) नाराख 9

फरबरी, 1982 ग्रीर सं. का.ग्रा. 105(श्र), नारीख १ फरबरी, 1983, स छा.श्रा. 64(श्र) नारीख १ फरबरी, 1984 ग्रीर सं. का.ग्रा. 95(श्र) नारीख ३ फरबरी, 1985 तथा भारत सरकार के कल्याण मंद्रालय की ग्रिश्चिम्चना सं. का.ग्रा. 198(श्र) नारीख 17 ग्राप्तैल, 1986 स. का.ग्रा. 386(श्र), तारीख 14 ग्राप्तैल, 1987, सं. का.ग्रा. 782(श्र), नारीख 19 ग्राप्त, 1987, सं. का.ग्रा. 213(श्र) नारीख 26 फरवरी, 1988, सं. का.ग्रा. 813(श्र) नारीख 29 श्राप्त, 1938 श्रीर सं. का.श्रा. 286(श्र), नारीख 19 श्राप्त, 1988, सं. का.ग्रा. 813(श्र) नारीख 29 श्राप्त, 1938 श्रीर सं. का.श्रा. श्राप्ति श्राप्ति के विनिद्दिल्ल है, 1 मई, 1990 संहा 30 श्राप्त, 1991 तक का.ग्रीर श्रविध के लिए बढ़ार्ता है।

भारतके राष्ट्रपति क यदिश से और उनके नाम मे।

[+, 4(1)/90-वदफ] साना प्रमाद, गंगयन मानिव

MINISTRY OF WELFARE NOTIFICATION

New Delhi, the 30th March, 1990

S.O. 274(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 64 of the Wakf Act, 1954 (29 of 1954) (hereinafter referred to as the said Act) read with notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Legislative Department) No. S.O. 247 dated the 30th December, 1975 published in the Gazette of India, Part II—Section 3—Sub-section (ii) dated the 17th January, 1976, the Central Government hereby extends the period of supersession of the Puniab Waki Board, specified in the notifications of the Government of India in the erstwhile Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Legislative Department) No. S.O. 796(E) dated the 11th November, 1981. No. 5.O. 63(E) dated the 9th February, 1982, No. S.O. 105(E) dated the 9th February, 1983, No. S.O. 64(E) dated the 2nd February, 1984 and No. S.C. 95(E) dated the 5th February, 1985 and the notifications of the Government of India in the Ministry of Welfare No. S.O. 198(E) dated the 17th April, 1986, No. S.O. 386(E) dated the 14th April, 1987, No. S.O. 782(E) dated the 19th August, 1987, No. S.O. 213(E) dated the 26th February, 1988, No. S.O. 813(E) dated the 29th August, 1988 and No. S.O. 286(E) dated the 19th April, 1989 by a further period on and from the 1st day of May, 1990 to the 30th day of April, 1991.

By order and in the name of the President of India.

[No. 4(1)|90-Wakf] MATA PRASAD Jt. Secv.